No. of Printed Pages : 7

BPY-011

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

PHILOSOPHY (BDP)

Term-End Examination

December, 2022

BPY-011 : PHILOSOPHY OF HUMAN PERSON

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : (*i*) *Answer all the **five** questions.*

(*ii*) *All questions carry equal marks.*

(*iii*) *Answer to the Question No. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

---

1. Define the philosophy of human person, and explain different Indian and Western approaches to the study of human person. 20

Or

Examine the strength of vitalistic and mechanistic theories of origin of human person.

2. Discuss in detail the relationship of intellect and will with human freedom. 20

Or

Argue that the nature of human person is inter-subjective from the physiological and psycho-philosophical perspectives.

3. Answer any ***two*** of the following questions in about **200** words each : 10+10=20

   (a) What is the philosophy of Human Person ? Illustrate its method, objective and importance.

   (b) Why is the study on death important in the philosophy of human person ?

   (c) Explain the spiritual faculties of intellect and will and prove their relation in the human functioning.

   (d) Prove that the human rights are inalienable and inherent to human person.

4. Answer any ***four*** of the following questions in about **150** words each : 4×5=20

   (a) Explain Upanishadic understanding of human person.

(b) What is cosmocentric understanding of reality ? How is it different from anthropocentric perspective ?

(c) Describe the basic ideas of creationism.

(d) Explain human nature as 'sat cit ananda'.

(e) What is determinism ? How does it affect the notion of human person ?

(f) What are the principal elements of culture ?

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about **100** words each : 5×4=20

(a) Human love

(b) Karma

(c) Predestination

(d) Cosmic evolution

(e) Phenomenology of human body

(f) Internal senses

(g) Buddhist concept of human person

(h) Gender stereotypes

BPY-011

स्नातक उपाधि कार्यक्रम दर्शनशास्त्र (बी.डी.पी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

बी. पी. वाई.-011 : मानव-व्यक्ति दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) प्रश्न क्रमांक ***1*** *और* ***2*** *में प्रत्येक का उत्तर लगभग* ***400-400*** *शब्दों में दीजिए।*

---

1. मानव-व्यक्ति दर्शन को परिभाषित कीजिए और मानव-व्यक्ति के अध्ययन के विभिन्न भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोणों की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

मानव-व्यक्ति की उत्पत्ति के प्राणतत्ववाद और यांत्रिकवाद के सामर्थ्य का परीक्षण कीजिए।

2. मानव स्वतंत्रता के साथ बुद्धि और संकल्प के सम्बन्ध की विस्तृत चर्चा कीजिए। 20

अथवा

तर्क कीजिए कि शरीरक्रियाविज्ञान सम्बन्धी और मनो-दार्शनिक दृष्टिकोणों से मानव-व्यक्ति अन्तः-व्यक्तिनिष्ठ है।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में दीजिए : 2×10=20

(अ) मानव-व्यक्ति दर्शन क्या है ? इसकी पद्धति, उद्देश्य और महत्व को स्पष्ट कीजिए।

(आ) मानव-व्यक्ति दर्शन में मृत्यु का अध्ययन महत्वपूर्ण क्यों है ?

(इ) बुद्धि और संकल्प की आध्यात्मिक संकायों की व्याख्या कीजिए और मानवीय कृत्य से इनके सम्बन्ध को सिद्ध कीजिए।

(ई) सिद्ध कीजिए कि मानव अधिकार मानव-व्यक्ति से अविच्छेद और मानव-व्यक्ति में निहित हैं।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में दीजिए : $4\times5=20$

(अ) मानव-व्यक्ति की औपनिषदिक समझ की व्याख्या कीजिए।

(आ) सत् की ब्रह्माण्ड-केन्द्रित समझ क्या है ? यह नृशास्त्रीय दृष्टिकोण से किस तरह भिन्न है ?

(इ) सृष्टिवाद के आधारभूत विचारों का वर्णन कीजिए।

(ई) 'सत् चित् आनन्द' के रूप में मानव प्रकृति की व्याख्या कीजिए।

(उ) नियतत्ववाद क्या है ? यह मानव-व्यक्ति की धारणा को किस तरह प्रभावित करता है ?

(ऊ) संस्कृति के सैद्धान्तिक तत्व क्या हैं ?

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग **100-100** शब्दों में टिप्पणियाँ लिखिए : $4\times5=20$

(अ) मानवीय प्रेम

(आ) कर्म

(इ) पूर्वनियति

(ई) ब्रह्माण्डीय विकास

(उ) मानवीय शरीर का संवृत्तिशास्त्र

(ऊ) आन्तरिक इन्द्रिय

(ए) मानव-व्यक्ति की बौद्ध अवधारणा

(ऐ) लैंगिक रूढ़िबद्ध धारणा